KOT

No. of Printed Pages : 4

10369

2025

सामान्य हिन्दी

(General Hindi)

निर्धारित समय : 2 घंटे *पूर्णांक : 100*

Time allowed : 2 Hours ***Maximum Marks : 100***

नोट : प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं ।

1. **निर्देश :** इस प्रश्न के 5 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है । $02 \times 5 = 10$

(i) मूर्धन्य व्यंजन किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए । 02

(ii) यण संधि किसे कहते हैं ? एक उदाहरण दीजिए । 02

(iii) 'त्रिलोकी' में कौन सा समास है ? इसका विग्रह कीजिए । 02

(iv) 'अधिनियम' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग लिखिए । 02

(v) 'अच्छा' शब्द को विशेषण और क्रिया-विशेषण के रूप में प्रयोग करते हुए दो वाक्य लिखिए । 02

2. **निर्देश :** इस प्रश्न के कुल 15 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है । $01 \times 15 = 15$

(i) दिए गए पर्यायवाची शब्दों में से कौन सा शब्द 'पृथ्वी' का पर्याय नहीं है ? 01

अभ्र, क्षिति, मेदिनी, अचला

(ii) 'अवमूल्यन' शब्द का विलोम लिखिए । 01

(iii) 'अशित्ति' शब्द का तद्भव लिखिए । 01

(iv) निम्नलिखित शब्द-समूह में कौन सा देशज शब्द है ? 01

पखेरू, चिड़िया, कपोत, ग्राम

(v) निम्नलिखित शब्द-समूह से विदेशी शब्द छाँटिए : 01

अग्नि, डिबिया, पलंग, इमान

(vi) निम्नलिखित शब्द-समूह से रूढ़ शब्द छाँटिए : 01

खिड़की, विद्यालय, पीलापन, चतुर्भुज

(vii) निम्न शब्द-समूह से यौगिक शब्द छाँटिए : 01

प्रिय, पुष्प, पीलापन, चक्रपाणि

(viii) निम्नलिखित शब्द-समूह से योगरूढ़ शब्द छाँटिए : 01

विष्णु, चक्रपाणि, ब्रह्मा, कृष्ण

(ix) निम्नलिखित शब्द-युग्म का अर्थ लिखिए : 01

निशाकर – निशाचर

(x) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक उपयुक्त शब्द लिखिए : 01

जिसका कारण पृथ्वी है या पृथ्वी से संबंधित है ।

(xi) निम्नलिखित पर्यायवाची शब्द-समूह से पर्याय के बाहर का शब्द छाँटिए : 01

उत्कर्ष, उत्क्रमण, उतिष्ठ, आरोह

(xii) निम्नलिखित शब्द को वाक्यांश में बदलिए : 01

कुशाग्रबुद्धि

(xiii) निम्नलिखित शब्द-युग्म का अर्थ लिखिए : 01

आगम – अगम

(xiv) 'शावक' शब्द किस शब्द का तत्सम है ? 01

(xv) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक उपयुक्त शब्द लिखिए : 01

देवता अथवा भूतादि के द्वारा होने वाला दुःख

3. **निर्देश :** इस प्रश्न के 5 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न के 02 अंक हैं ।

$02 \times 5 = 10$

(i) विशेषण उपवाक्य किसे कहते हैं ? एक उदाहरण दीजिए । 02

(ii) निम्नलिखित लोकोक्ति का अर्थ बताएँ एवं वाक्य प्रयोग करें : 02

भरी गगरिया चुपके जाए ।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 02

(क) उनकी भाषा सरल और सुबोधपूर्ण होती है ।

(ख) गरिष्ट भोजन देर से पचता है ।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों को कर्तृवाचक से कर्मवाचक रूप में बदलिए : 02

(क) तुम व्याकरण पढ़ाते हो ।

(ख) मोहन गीत गाता है ।

(v) क्रिया-विशेषण उपवाक्य के दो उदाहरण दीजिए । 02

4. निर्देश : अपठित गद्यांश को पढ़कर पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 03 अंक का है । $03 \times 5 = 15$

आज प्रत्येक शहर को यह शिकायत है कि गाँवों से पलायन कर शहरों में आए लोगों के कारण अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं । शहरों में बढ़ते अपराध, जन-सुविधाओं का अभाव तथा गंदी बस्तियों एवं झोंपड़-पट्टियों का फैलाव आदि के लिए गाँवों से भारी संख्या में पलायन कर आए लोगों को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है । शहरों में चूँकि प्रचार-प्रसार के तमाम साधन उपलब्ध हैं, अत: वहाँ की तमाम समस्याएँ उजागर होती रहती हैं तथा समय-समय पर समाजशास्त्री, विचारक और योजनाकार इस पलायन को रोकने पर विचार भी करते रहते हैं । इस बात पर विचार प्राय: नहीं किया जाता कि शहर किस तरह गाँवों की संस्कृति और जनजीवन को प्रभावित कर रहे हैं । गाँवों से शहरों की ओर तो लोगों का पलायन हो रहा है, मगर शहरों से गाँवों की ओर शहरी जीवन की उन तमाम विकृतियों का पलायन हो रहा है, जिनके कारण गाँव और शहर अपनी अलग पहचान रखते थे । शहरी जीवन की ये तमाम विकृतियाँ गाँवों में रहन-सहन, खान-पान और गाँव की सामाजिकता को किस हद तक प्रभावित कर रही हैं, इसका लेखा-जोखा नहीं हो पाता, क्योंकि गाँवों में प्रचार-प्रसार के वह साधन नहीं हैं, जो शहरों में उपलब्ध हैं । समाजशास्त्री, विचारक और योजनाकार भी चूँकि शहरों में बसते हैं, इसलिए वह भी इधर ध्यान नहीं दे पाते । गाँवों की ओर शहरी जीवन की इन विकृतियों का सबसे बुरा प्रभाव ग्रामीण जीवन की सामाजिकता पर पड़ रहा है । गाँवों में सामाजिक संपर्क धीरे-धीरे कारोबारी किस्म के होते जा रहे हैं । लोग अब अलाव या चौपाल पर न बैठकर शहरी लोगों की भाँति अपने-अपने घरों या घेरों में ही रहते हैं ।

प्रश्न :

(i) शहरों की क्या शिकायत होती है ? 03

(ii) शहरों की समस्याएँ कैसे पता लग जाती हैं ? 03

(iii) समाजशास्त्री, विचारक और योजनाकार शहरों की समस्याओं पर ही क्यों विचार करते हैं ? 03

(iv) गाँवों में शहरी जीवन की कौन सी विकृतियाँ आ रही हैं ? 03

(v) गाँवों में सामाजिक संबंध कैसे होते जा रहे हैं ? 03

5. निर्देश : इस प्रश्न के 03 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक उपप्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं ।

मनुष्य उत्सवप्रिय होते हैं । उत्सवों का एकमात्र उद्देश्य आनंद-प्राप्ति है । यह तो सभी जानते हैं कि मनुष्य अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए आजीवन प्रयत्न करता रहता है । आवश्यकता की पूर्ति होने पर सभी को सुख होता है । पर, उस सुख और उत्सव के इस आनंद में बड़ा अंतर है । आवश्यकता अभाव सूचित करती है । उससे यह प्रकट होता है कि हममें किसी बात की कमी है । मनुष्य-जीवन ही ऐसा है कि वह किसी भी अवस्था में यह अनुभव नहीं कर सकता कि अब उसके लिए कोई आवश्यकता नहीं रह गई है । एक के बाद

[P.T.O.

KOT

दूसरी वस्तु की चिंता उसे सताती ही रहती है । इसलिए किसी एक आवश्यकता की पूर्ति से उसे जो सुख होता है, वह अत्यंत क्षणिक होता है; क्योंकि तुरंत ही दूसरी आवश्यकता उपस्थित हो जाती है । उत्सव में हम किसी बात की आवश्यकता का अनुभव नहीं करते । यही नहीं, उस दिन हम अपने काम-काज छोड़कर विशुद्ध आनंद की प्राप्ति करते हैं । यह आनंद जीवन का आनंद है, काम का नहीं । उस दिन हम अपनी सारी आवश्यकताओं को भूलकर केवल मनुष्यत्व का ख्याल करते हैं । उस दिन हम अपनी स्वार्थ-चिंता छोड़ देते हैं, कर्तव्य-भार की उपेक्षा कर देते हैं तथा गौरव और सम्मान को भूल जाते हैं । उस दिन हममें उच्छृंखलता आ जाती है, स्वच्छंदता आ जाती है । उस रोज हमारी दिनचर्या बिलकुल नष्ट हो जाती है । व्यर्थ घूमकर, व्यर्थ काम कर, व्यर्थ खा-पीकर हमलोग अपने मन में यह अनुभव करते हैं कि हमलोग सच्चा आनंद पा रहे हैं ।

(लगभग 250 शब्द)

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । 03

(ii) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए । 06

(iii) उपर्युक्त गद्यांश के रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए । 06

6. (क) 'परिपत्र' किसे कहते हैं ? मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन की ओर से प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को एक परिपत्र लिखिए, जिसमें ग्रीष्म ऋतु में जंगलों को आग से बचाने का निर्देश हो । 15

(ख) (i) प्रस्तुत हिंदी गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 10

सभ्यताओं का इतिहास दर्शाता है कि उनका जीवन स्तर उनकी मिट्टी की गुणवत्ता पर निर्भर रहा है । मिट्टी हमारी मौलिक संपदा है । यह हमारे अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों में से एक है । यदि इसका कुशलता से प्रबन्धन किया जाए तो यह हमें खाना, लकड़ी तथा अन्य वस्तुएँ देता रहेगा । मनुष्य मिट्टी पर आश्रित है तथा उपजाऊ मिट्टी मनुष्य पर । प्रत्येक प्रकार की मिट्टी को एक विशेष प्रकार के प्रबन्धन की जरूरत होती है जो कि मौसम के साथ बदलती है । हमें मिट्टी का आदर करना चाहिए तथा उसके महत्व को समझना चाहिए ।

(ii) प्रस्तुत गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

Health is not just an absence of disease. It is a complete state of physical, mental and social wellness. Disease is a significant cause of agony for humanity. There are several diseases which, if they are not treated, may prove to be fatal. Personal hygiene is quite helpful in prevention of diseases. Our body has inborn capacity to fight against infections, which saves us from diseases. However, we should take precautions and, in case of need, take advice from a doctor.